भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाईट अवार्ड प्रदान करते समय अभिभाषण

आईआईएम, अहमदाबाद, गुजरात : 30 नवम्बर, 2015

मुझे इस प्रख्यात संस्थान में, जो उच्चतर शिक्षा में सबसे आगे है और जिसने देश में प्रबंधन और व्यवसाय को नेतृत्व प्रदान किया है, आपके बीच होने में बड़ी खुशी है। इस परिसर में उत्कृष्टता और प्रासंगिकता के मिश्रण ने, जो पूरे देश के युवा बच्चों के सृजनात्मक और नवाचारी विचारों के द्वारा जाहिर हुई है, इस संस्थान को विचारों और ऊर्जा से आकर्षक बना दिया है।

2. सर्वप्रथम, मैं उन युवा अवार्ड विजेताओं को मुकारकबाद देना चाहूंगा, जिनके सर्जनात्मक और नवाचारी विचार राष्ट्रीय नवाचारी फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में दर्शाए गए हैं। यह देखना है कि अनेक सर्जनात्मक युवा इतनी कम उम्र में हमारे समाज द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों से निपट रहे हैं। यह निश्चित ही हमारे देश के भविष्य के लिए अच्छा संकेत है।

3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद का एक शानदार इतिहास रहा है। यह शिक्षा में सबसे आगे रहा है और इसने भारत और पूरे विश्व को प्रबंधन प्रतिभा का सर्वोत्तम दिया है। आज आप आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्रों को निगमों, सरकारों, लोक सेवाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों में कार्य करते हुए देख सकते हैं। इस संस्थान के छात्रों ने आईआईएम, अहमदाबाद का ब्रांड विश्व में विख्यात कर दिया है। आज मैं आईआईएम, अहमदाबाद के संकाय, छात्रों और पूर्व छात्रों से

अपील करता हूं कि वे उद्योग, व्यवसाय, उद्यमियों, समाज के नेताओं और सर्जनात्मक व्यक्तियों और उन व्यक्तियों के साथ निरंतर संबंध बनाए रखें जो जमीनी सतह पर कार्य करते हैं। संस्थान आज के समाज के विरुद्ध दबावपूर्ण मामलों का निपटान करने में जुटे रहें। यह संस्थान प्रकाश स्तंभ का कार्य करे, उदारता से अन्य संस्थानों को पोषित करे, और एक ऐसी संस्कृति बनाए जो सहयोग और करुणा की भावना से उत्कृष्टता और निष्पादन के अभियान को पूरा करे।

4. भारतीय प्रबंधन संस्थान - अहमदाबाद नवाचार और उद्यमशीलता को समर्थन के प्रति कटिबद्ध है। संस्थान का सेंटर फार इनोवेशन, इनक्यूबेशन और अंतराप्रैन्योरशिप अहमदाबाद, पुणे, जयपुर और समस्त भातर के अन्य शहरों में नवाचार संबंधी पारिस्थितकीय प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है। मुझे मालूम है कि यह संस्थान पीजीपी पाठ्यक्रम में उद्यमशीलता पर केंद्रित एक कोर्स लांच कर रहा है। यह कार्यक्रम छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है और उनके कैरियर के आरंभ में उद्यमशील सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इलैक्टिव कोर्स जैसे कि शोध यात्रा और ग्रामीण सम्मिश्रण माड्यूल छात्रों को यह अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि जमीनी सतह पर और वंचित लोगों के बीच नवाचार वैसे आरंभ होता है। इस प्रकार के नवाचारी कार्यक्रम उद्यमशील लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोगी होंगे जो स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया पहलों से चिह्नित होंगे।

5. नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन और आईआईटी, अहमदाबाद ने भारतीय सामाजिक नवाचार को वैश्विक पहचान दी है। समुदाय सुगम्य

कार्यकलापों के लिए विभिन्न छात्र क्लबों द्वारा प्रशंसनीय प्रयास किए गए हैं। इस संप्रदाय सुगम्य के प्रयासरत लक्ष्यों में से एक समाज के वंचित भाग के लोगों को शिक्षा देना और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करना है। मैं संस्थान को नवाचार बनाए रखने के लिए ऊर्जा और संसाधनों के निवेश को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगा जिससे देश की आर्थिक प्रगति हो और एक सतत समावेशी समाज का सर्जन हो।

6. आर्थिक और सामाजिक प्रगति में नवाचार के महत्त्व को पहचानते हुए राष्ट्रपति सचिवालय ने समावेशी नवाचार को देश की चेतना के केंद्र स्तर पर लाने के लिए अनेक पहलें की हैं। नवाचार विद्वानों, लेखकों, कलाकारों, केंद्रीय संस्थानों से प्रेरित शिक्षकों और छात्रों को राष्ट्रपति भवन में दो सप्ताह के लिए रहने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। ये आवासीय कार्यक्रम उन व्यक्तियों की सफल कहानियों से परिचित होने और उनसे शिक्षा ग्रहण कर नवाचार और सर्जनात्मकता की भावना को पुष्ट करने के उद्देश्य से है जिन्होंने अपने तरीके से समाज और देश के लिए योगदान दिया।

7. नवाचार आर्थिक प्रगति की कुंजी है और यह उभरती आवश्यकताओं और चुनौतियों के प्रत्युत्तर में किसी देश और समाज की परिपक्वता को प्रतिबिंबित करता है। नवाचार एक सतत प्रक्रिया है और इसे प्रत्येक कदम पर पोषित किए जाने की आवश्यकता है। किसी देश और समाज के जीवन में नवाचार के महत्त्व को महसूस करते हुए राष्ट्रपति भवन ने, नवाचार उत्सव आयोजित करने की परंपरा आरंभ की है। राष्ट्रपति भवन में पहला नवाचार उत्सव मार्च, 2015 में नेशनल

इनोवेशन फाउंडेशन के समन्वय से आयेजित किया गया। इस उत्सव में जमीनी सतह के नवाचार को विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न स्तरों के नवाचारी व्यक्तियों के साथ संबद्ध करने के प्रयास किए गए। दूसरा नवाचारी उत्सव मार्च, 2016 में आयेजित किया जाएगा। मैं इस अवसर पर यहां पर उपस्थित भागीदारों को नवाचारी उत्सव में भाग लेने और अपने विचार विश्व स्तर तक ले जाने के लिए आमंत्रित करता हूं।

8. समाज को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए नवाचार, उच्चतर शिक्षा और उद्योग की बारीकी से नेटवर्क किए जाने की आवश्यकता है। कोई भ्ी नवाचार, चाहे वह जमीनी सतह पर हो या उच्चतर शैक्षिक संस्था में, उसे नवाचार वाणिज्यिकरण के लिए उद्योग से संबद्ध किया जाना चाहिए। इसके लिए 114 केंद्रीय संस्थानों का कुलाध्यक्ष होने की हैसियत से मैं संस्थाओं से सशक्त उद्योग-शैक्षिक अंतर-संबद्धता स्थापित करने के लिए कहता रहा हूं। यह बाजार में एकाएक नवाचार लाने का एक तरीका है। इसके लिए, मैं उच्चतर शिक्षा के संस्थानों को प्रोत्साहित करता रहा हूं कि वे नवाचार और अनुसंधान को पोषित करने के लिए एक अनुकूल पारिस्थिकीय प्रणाली तैयार करने के लिए भारत और विदेशों में संस्थानों और उद्योग के साथ सहयोग करें। राष्ट्रपति भवन में हाल ही में आयेजित कुलाध्यक्ष सम्मेलन में, भारतीय शैक्षिक संस्थाओं ने विविध क्षेत्रों में 43 समझौता ज्ञापन संपन्न किए। मुझे उम्मीद है कि इस प्रकार उद्योग शैक्षिक संकाय सहयोग, शैक्षिक संस्थाओं को उनके कार्यकलापों को उद्योग और समाज की आवश्यकताओं से संबद्ध करने में मदद करेंगे।

देवियो और सज्जनो,

9. मुझे बताया गया है कि नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इग्नाइट प्रतियोगिता, 2015 के लिए देश के सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों से 28,000 से अधिक प्रस्तुतियां प्राप्त की हैं। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, भारत रत्न विभूषित और भारत के पूर्व राष्ट्रपति को हमारे देश के बच्चों द्वारा यह महान श्रद्धांजलि है। डॉ. कलाम की याद में अवार्ड का पुन: नामकरण उनको सर्वोत्तम श्रद्धांजलि है जिन्होंने युवा पीढ़ियों को अपने दृष्टिगत नेतृत्व और रचनात्मक विचारों से ज्वलंत बनाए रखा। मैं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन की इस पहल के लिए सराहना करता हूं।

10. आज, मैंने नवाचार प्रदर्शनी का दौरा किया और अनेक विचार और नवीनताएं पाईं जो विकासशील समाज, विशेषकर वयोवृद्ध लोगों और समाज के कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है। बच्चों ने साबित कर दिया है कि नवाचारी भावनाएं किसी भी मात्रा में जड़वत्ता को समाप्त कर सकती है और उसकी जगह उमंगभरी नई संभावनाओं को स्थान दे सकती है। मुझे भविष्य में पूरी उम्मीद है जब मैं देखता हूं कि युवा पीढ़ी विवादित समस्याओं के साथ अनिश्चयपूर्वक नहीं रहना चाहती। सृजनात्मक युवाओं द्वारा नवाचार 'संवेदना से सृजनशीलता' (उदारता और संवेदना से नवाचार) का सर्वोत्तम उदाहरण है। भारत 1.2 बिलियन सर्जनात्मक व्यक्तियों का देश है। इन बिलियन व्यक्तियों के सदुपयोग से भारतीय समाज उन अनेक समस्याओं से मुक्त हो सकता है जिनका सामना हम आज कर रहे है। एक व्यक्ति के रूप में यह हममें से प्रत्येक के लिए है कि हम

वचनबद्ध रहें और समाज और देश की समस्याओं के समाधान के लिए स्वयं को समर्पित कर दें।

देवियो और सज्जनो,

11. आईआईएम - अहमदाबाद एक विश्व स्तरीय संस्था है और प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है। मैं प्रसन्न हूं कि आईआईएम - अहमदाबाद आईआईएम - नागपुर का संरक्षक है ताकि प्रबंधन शिक्षा में एक नया अग्रणी तैयार हो सके। आज, इस संस्थान ने भारत में उच्चतर शिक्षा में सुधार संबंधी सुझाव देने और नवाचारी पारिस्थितिकीय प्रणाली को पोषित करने की अग्रणी भूमिका ले ली है। आज दिए गए सुझाव इस संस्थान की अर्थव्यवस्था के दो बहुत महत्त्वपूर्ण और नाजुक अभियान, उच्चतर शिक्षा और नवाचार में प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मैं शासन, लोक नीति, नवाचार, उच्चतर शिक्षा और उद्यमशीलता के प्रासंगिक कार्य क्षेत्र में इस महान संस्थान से नेतृत्व करने की उम्मीद करता हूं।

12. मैं एक बार दोबारा युवा पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे सर्जनात्मक ढंग से विचार करते रहेंगे और देश के लिए समावेशी और नवाचारी भविष्य सुनिश्चित करेंगे। मैं आप सबके महान भविष्य की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि भारत के समावेशी विकास में आप किसी प्रकार की कमी नहीं करेंगे।

धन्यवाद,

जय हिंद!